M.A. Hindi - II Year

Praviruti Vises Ka Addiyyan
Upanyas Ka Swaroop Aur Vikas - 2010310

उपन्यास का स्वरूप और विकास

Unit - 01

उपन्यास में यथार्थ की अभिव्यक्ति, उपन्यास और आत्मकथा, औपन्यासिक भाषा और उसका स्वरूप, औपन्यासिक रचना, उपन्यास का उदय और प्रक्रिया, प्रथव विश्व युद्ध के बाद उपन्यास, भारतीय उपन्यासों में नवजागरण की अभिव्यक्ति, हिन्दी उपन्यास का उदय, उपन्यास के विविध भारतीय पर्याय, उपन्यास में इतिहास और मिथक ।

Unit - 02

दलित जीवन और नारी–मुक्ति से संबन्ध हिन्दी उपन्यास, राष्ट्रीय मुक्ति आन्दोलन के सन्दर्भ में प्रेमचन्द के उपन्यास, भारतीय उपन्यास में राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता प्राप्ती के बाद देश विभाजन की समसरूा पर लिखे गये उपन्यास, कथावस्तु के आधार पर उपन्यासों के प्रकार, विधा के रूप में उपन्यास, जीवनी और आत्मकथा, उपन्यास का अर्थ, उपन्यास में नायत्व की संकल्पना ।

Unit - 03

उपन्यास और मध्यवर्गी लोग, उपन्यास में भाषागत विशिष्टतायें, पूँजीवाद के उदय से उपन्यास की आलोचना, उन्नीसवी सदी के रूसी उपन्यास, हिन्दी के आरंभिक उपन्यासों नवजागरण, दलित चेतना और भारतीय उपन्यास साहित्य, उपन्यास और पाठक वर्ग, प्रेमचन्द के उपन्यास, दृश्य माध्यमों के विकास का उपन्यास पर प्रभाव, हिन्दी उपन्यासों में साम्प्रदायिक समस्या ।

Unit - 04

उपन्यास की भाषागत विशिष्टतायें, उपन्यास विधा की लोकप्रियता, उपन्यास की भाषा और काव्य भाषा के प्रयोग, भाषा की अन्तः सम्बन्धों का उपन्यास पर प्रभाव, उपन्यासों के वैचिक आधार, बीसवीं सदी के विश्व उपन्यास साहित्य, हिन्दी के आँचलिक उपन्यास ।

Unit - 05

हिन्दी में तिलिक्ष्मी और जासूसी उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास, फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का महत्व, उन्नीसवीं सदी के विश्व उपन्यास, उपन्यास की भावगत विशिष्टतायें, उन्नीसवीं सदी के रूसी उपन्यास, तीसरी दुनिया के उपन्यास और यूरोपीय उपन्यास, सांप्रदायिक समस्या, भारतीय उपन्यास और स्त्री मुक्ति, उपन्यास के विविध भारतीय पर्याय, टोल्सतोय के उपन्यास ।